आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 4/अंक 1/मार्च 2024

अनुक्रमणिका

संपादकीय	प्रो. प्रतिभा मुदलियार	1-5
शोधालेख		
• मंडन मिसिर की खुरपी कहानी में वृद्ध विमर्श	डॉ. पी .एम.भुमरे	6-11
• समकालीन हिंदी कविता में विष्णु खरे	गुलाब सिंह	12-23
• फीजी के गिरमिट विरासत का अनुशीलन	डॉ. सुभाषिनी लता कुमार, श्री खेंमेंद्रा कमल कुमार	24-37
• भारतीय भाषा में रोजगार	सौम्यश्री हेच.डी	38-40
• आत्मजयी : एक विश्लेषण	डॉ. दीपा देशपांडे	41-45
• कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य पर कुष्ठ रोग का प्रभाव	अखिलेश्वर कुमार साहू	46-53
• दलितों के प्रति सामाजिक रवैया	केसरबेन राजपुरोहित	54-58
• यशपाल के कथा साहित्य में सामाजिक चेतना	शोभा.डी	59-63
• आत्महत्या	यशराज सिंह	64-68
• दलित विमर्श	पंकज जैन	69-74
• सुशासन का महत्व	लकी शर्मा	75-78

लेख

- दक्षिण में राम का शहर होन्नावर — प्रो. टी. आर. भट्ट — 79-82
- प्रतिशोध की प्यासी अंबा — प्रो.प्रतिभा मुदलियार — 83-87

कहानी

- भोंपू , बाजा और उदास लड़की — मुक्ता — 88-94

कविताएं

- जिन्दगी जीना सीखा रही है ! — नरपत् देवासी — 95-96
- देशभक्त — साहिल चंद — 97-98
- गुलज़ार की नज्में — 'गुलज़ार' — 99-102

****